D

SCR 745

ANNUAL EXAMINATION MODEL QUESTION MARCH 2020 - 21

STD. X **Third Language**

Time : 90 minutes **HINDI** **Total Score : 40**

सामान्य निर्देश :

- पहला बीस मिनट कूल ऑफ़ टाईम है ।
- इस समय प्रश्नों का वाचन करें और उत्तर लिखने की तैयारी करें ।
- वैकल्पिक प्रश्नों में से किसी एक का ही उत्तर लिखें ।

Score

भाग – 1 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ‘ सबसे बडा शो मैन ’ जीवनी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें ।

माँ और मैनेजर में बहस होते देख वह वहाँ गया। मैनेजर ने चार्ली को माँ के कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा था और वह उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा। माँ डर गई। पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड को झेल पाएगा ! बहुत मुबाहिसा के बाद वह अंतत: चार्ली को स्टेज पर ले गया और बचाव के कुछ शब्द कह उसे अकेला छोड आया। धुएँ के उडते हुए छल्लों के बीच चार्ली ने मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरू किया। कुछ देर तक आर्केस्ट्रा वाले उसकी आवाज़ में उस गाने की धुन तलाशते रहे और वह जैसे ही मिली, गाना सजने लगा। गाना अभी आधा ही हुआ था कि स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हो गई। चार्ली ने गाना रोक दिया और घोषणा की कि पहले मैं ये पैसे बटोरूँगा और उसके बाद ही गाऊँगा। इस बात ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया।

1. चार्ली ने बीच में गाना क्यों रोक दिया ? 1

(क) माँ से मिलने केलिए (ख) पैसे बटोटने केलिए
(ग) मैनेजर से मिलने केलिए (घ) पानी पीने केलिए

2. **वार्तालाप को आगे बढाएँ ।** 4

मैनेजर – हेन्ना जी ... आपको क्या हो गया ... ?
माँ – जी ... नहीं मालूम ... मेरी आवाज़ फट जाती है।
------- - ---------------------------------

(ख) सूचना : ‘ टूटा पहिया ’ कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें ।

क्या जाने ; कब
इस दुरूह चक्रव्यूह में
अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ
कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए !

1. **‘ दुरूह चक्रव्यूह ’**- में दुरूह शब्द ------------ है ? 1

(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम (ग) क्रिया (घ) विशेषण

2. **कविता के आधार पर सही मिलान करके लिखें ।** 4

चक्रव्यूह	सर्वनाश
अभिमन्यु	जीवन की विषमताएँ
टूटा पहिया	साहसी युवा पीढी
ब्रह्मास्त्र	सामान्य मनुष्य

भाग – 2 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 3 से 5 तक के उत्तर लिखें ।

सडक पर घायल पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते ? वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है । यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह " जानने " की याद दिलाती है ।

3. यहाँ **' मदद की ज़रूरत '**– का मतलब क्या है ? 1

(क) सडक के किनारे पर हटना (ख) सांत्वना देकर अस्पताल पहुँचाना

(ग) देखे बिना जाना (घ) मोबाइल में चित्र खींचना

4. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।** 1

मैं व्यक्ति की मदद करता हूँ । मैं व्यक्ति की मदद करूँगा ।

तुम व्यक्ति की मदद करते हो । तुम व्यक्ति की मदद -----।

5. ' सडक पर घायल पडे लोगों की जान बचाना मनुष्यता है । '- यह संदेश देते हुए **पोस्टर** तैयार करें । 4

(ख) सूचना : ' दिशाहीन दिशा ' यात्रा वृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 3 से 5 तक के उत्तर लिखें ।

बहुत बार सोचा था कि कभी समुद्र तट के साथ–साथ एक लंबी यात्रा करूँगा, परंतु यात्रा केलिए समय और साधन साथ–साथ मेरे पास कभी नहीं रहते थे। उन दिनों नौकरी छोड दी थी और पास में कुछ पैसे भी थे। इसलिए मैंने तुरंत चल देने का निश्चय कर लिया । पहले सोचा कि सीधे कन्याकुमारी चला जाऊँ और वहाँ से रेल, मोटर या नाव, जहाँ जो मिले, उसमें पश्चिमी समुद्र–तट के साथ–साथ गोआ या बंबई तक की यात्रा करूँ। रास्ते में जहाँ मन हुआ, वहीं कुछ दिन रह जाऊँगा।

3. लेखक ने फौरन यात्रा करने का निश्चय क्यों किया ? 1

4. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।** 1

मैं कन्याकुमारी जाऊँगा। मैं कन्याकुमारी जाऊँ।

हम गोआ चलेंगे। हम गोआ ------।

5. **संबंध पहचानें, सही मिलान करें ।** 4

मोहन राकेश ने पहले सोचा था	यात्रा की कोई रूप रेखा नहीं थी ।
घर में चलते समय मन में	सीधे कन्याकुमारी चला जाऊँ ।
बहुत बार सोचा था	वहीं कुछ दिन रह जाऊँ ।
रास्ते में जहाँ मन हुआ	समुद्र तट के साथ-साथ एक लंबी यात्रा करूँ ।

SREEJITH R KOVOOR VARKALA SCRIPTS ph 9567224545

भाग – 3 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 6 से 8 तक के उत्तर लिखें ।

" बेला, देखो इस बीरबहूटी का रंग तुम्हारे रिबन के जैसा लाल है ।" साहिल ने कहा । " तुमने कुछ सुना बेला " " हाँ, सुना । पहली घंटी लग गई है ।" " लेकिन मुझे पैन में स्याही भरवानी है, दुकान से ।"

6. **नमूने के अनुसार लिखें ।** 1

बस्ता पीठ पर लदा हुआ था । थैली पीठ पर लदी हुई थी ।

बर्तन स्याही से भरा गया था । बोतल स्याही से ---------- ।

7. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें ।** 2

- घंटी अब लग गई है । (ज़ोर से, पहली)
- स्कूल की घंटी अब लग गई है ।
- ----------------।
- --------------------------- ।

8. **वार्तालाप को आगे बढाएँ ।** 4

साहिल – तुमने कुछ सुना बेला ?

बेला - हाँ सुना । पहली घंटी लग गई है ।

------- - -------------------------------

(ख) सूचना : ' गुठली तो पराई है ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 6 से 8 तक के उत्तर लिखें ।

इसी बीच शादी के कार्ड छपके आए । गुठली बडी उत्सुक थी । जैसे –तैसे पूजा–पाठ के बाद कार्ड हाथ में आया तो गुठली का मुँह उतर गया । वह ताऊजी के पास जाकर बोली, " देखिए, भइया मेरा नाम कार्ड में छपवाना भूल गया ?" ताऊजी बोले, " भूला नहीं है रे ... अपने घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते ।"

6. ' गुठली का नाम कार्ड पर नहीं था ।'- कारण क्या था ? 1

(क) केवल परिवार के बडों का नाम कार्ड पर छपते थे । (ख) कार्ड में गुठली का नाम छपने की जगह नहीं थी ।

(ग) घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते थे । (घ) अपना नाम छपना गुठली को पसंद नहीं था ।

7. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें ।** 2

- माँ ने लिख दिया । (कार्ड पर, अपने हाथ से)
- माँ ने गुठली का नाम लिख दिया ।
- ------------------- ।
- ------------------- ।

8. कहानी के प्रस्तुत अंश के आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य तैयार करें । 4

SREEJITH R. KOVOOR VARKALA, SCRT45 ph 9567224545

भाग – 4 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 9 से 10 तक के उत्तर लिखें ।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
व्यक्ति को मैं नहीं जानता था
हताशा को जानता था
इसलिए मैं उस व्यक्ति के पास गया
मैं ने हाथ बढाया
मेरा हाथ पकडकर वह खडा हुआ
मुझे वह नहीं जानता था
मेरे हाथ बढाने को जानता था
हम दोनों साथ चले
दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे
साथ चलने को जानते थे ।

9. ' मेरा हाथ पकडकर वह खडा हुआ '- यहाँ ' वह ' कौन है ? 1

10. प्रस्तुत घटना के आधार पर **कवि** अपने मित्र के नाम पत्र लिखते हैं । वह **पत्र** कल्पना करके तैयार करें । 4

अथवा

कविता का विश्लेषण करते हुए जानना शब्द की लेखक की व्याख्या पर अपना मत प्रकट करते हुए **टिप्पणी** लिखें ।

(ख) सूचना : 'आई एम कलाम के बहाने ' फिल्मी लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 9 से 10 तक के उत्तर लिखें ।

एक दिन रणविजय को उसके स्कूल में भाषण देने केलिए कहा जाता है । रणविजय परेशान है क्योंकि उसकी हिंदी इतनी अच्छी नहीं । कलाम यह जानता है झट एक अच्छा –सा भाषण लिख अपने दोस्त रणविजय को दे देता है । रणविजय प्रथम पुरस्कार पाता है । इस बीच राणा सा के कारिंदे कलाम के घर तलाशी लेने आते हैं और वहाँ कुँवर रणविजय की चीज़ों को पा कलाम पर चोरी का आरोप लगाते हैं । लेकिन कलाम फिर कलाम है । इस झूठे आरोप के सामने भी अपनी दोस्ती का प्रण नहीं तोडता । यह जानकर कि राणा कुँवर को उससे की दोस्ती की सज़ा देंगे, वह चोरी का इल्ज़ाम सह जाता है पर उन्हें अपनी दोस्ती के बारे में नहीं बताता । यहीं वह तय करता है कि वह अपनी चिट्ठी सीधे अपने हमनाम डॉ कलाम को दिल्ली जाकर खुद देगा । और वह अकेला ही निकल पडता है । रास्ते में मुश्किलें हैं । लेकिन कथा के अंत में कलाम को अपनी मज़िल मिलती है ।

9. कलाम चोरी का आरोप क्यों सह जाता है ? 1

(क) कारिंदे से वह डरता है । (ख) चोरी करना उसका काम है ।
(ग) उसके मन में दोस्ती को ऊँचा स्थान है । (घ) उसने वह चोरी की है ।

10. प्रस्तुत प्रसंग के आधार पर **रणविजय की** उस दिन की **डायरी** लिखें । 4

अथवा

पाठभाग में ' **मित्रता** ' की अनूठी निशानी को हम देख सकते हैं । मित्रता विषय पर **टिप्पणी** लिखें ।

* कीमती उपहार * अनमोल धन * तुलना नहीं कर सकते
* मानव को श्रेष्ठ और पूजनीय बताना है * न भेदभाव

SREEJITH R KOVOOR VARKALA. SORT45 ph 9567224545

भाग – 5 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 11 से 13 तक के उत्तर लिखें ।

बेला का मन बहुत खराब हो गया, माटसाब चाहे मुझे पीट लेते मगर साहिल के सामने नहीं । वह साहिल के सामने खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी, क्योंकि वह जानती थी कि वह साहिल की नज़र में बहुत अच्छी है । जब वह असके पास आकर बैठी उससे नज़र नहीं मिला पाई ।

11. ' बेला खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी ।'- क्यों ? 1

(क) माटसाब के पीटने से (ख) साहिल के सामने पीट जाने से

(ग) बिना गलती से पीट जाने से (घ) पीटने से उत्पन्न दर्द से

12. **सही वाक्य चुनकर लिखें ।** 1

(क) बेला के पाँव काँप गए । (ख) बेला की पाँव काँप गई ।

(ग) बेला की पाँव काँप गई । (घ) बेला का पाँव काँप गया ।

13. माटसाब ने गलती से बेला के बालों में पंजा फँसाया । क्या आप इसे उचित मानते हैं? क्यों ? 2

(ख) सूचना : ' ठाकुर का कुआँ ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 11 से 13 तक के उत्तर लिखें ।

कुप्पी की धुँधली रोशनी कुएँ पर आ रही थी । गंगी जगत की आड़ में बैठी मौके का इंतज़ार करने लगी । इस कुएँ का पानी सारा गाँव पीता है । किसीके लिए रोक नहीं, सिर्फ ये बदनज़ीब नहीं भर सकते । गंगी का विद्रोही दिल रिवाज़ी पाबंदियों और मजबूरियों पर चोटें करने लगा - " हम क्यों नीच हैं और ये लोग क्यों ऊँच हैं ?" इसलिए कि ये लोग गले में ताग डाल लेते हैं ? यहाँ तो जितने हैं, एक–से–एक छंटे हैं ।

11. **' मौके का इंतज़ार करना '–** इसका मतलब क्या है ? 1

(क) अवसर का उपयोग करना (ख) अवसर की योजना करना

(ग) अवसर का दुरुपयोग करना (घ) अवसर की प्रतीक्षा करना

12. **सही विकल्प चुनकर लिखें ।** 1

(क) वह + से = उसे (ख) वे + से = उसे

(ग) वह + को = उसे (घ) वे + को = उसे

13. ऊँच – नीच के भेदभाव के बारे में आपका विचार क्या है ? 2

भाग – 6 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' टूटा पहिया ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 14 से 16 तक के उत्तर लिखें ।

तब मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया
उसके हाथ में
ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ !

14. ' सामना करना ' के अर्थ में कवितांश में प्रयुक्त मुहावरा कौन-सा है ? 1

(क) घिर जाना (ख) आश्रय लेना (ग) कुचल देना (घ) लोहा लेना

15. युद्ध में निरायुध अभिमन्यु को अचानक किसकी सहायता मिली ? 1

(क) पांडवों की सहायता (ख) एक टूटे पहिए की सहायता
(ग) अर्जुन की सहायता (घ) ब्रह्मास्त्रों की सहायता

16. युद्ध मानवराशी केलिए विनाश है । **युद्ध विरुद्ध** संदेश देनेवाली एक आकर्षक **पोस्टर** तैयार करें । 4

(ख) सूचना : ' बच्चे काम पर जा रहे हैं ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 14 से 16 तक के उत्तर लिखें ।

क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग–बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड के नीचे दब गए हैं सारे
खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें

14. ' क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग–बिरंगी किताबों को '– इस पंक्तियों का मतलब क्या है ? 1

(क) बच्चे खेलने के अवसर से वंचित हैं । (ख) बच्चे पढने के अवसर से वंचित हैं ।
(ग) बच्चे घर जाने के अवसर से वंचित हैं । (घ) बच्चे काम करने के अवसर से वंचित हैं ।

15. ' **विद्यालय** ' – का समानार्थक शब्द कवितांश चुनकर लिखें । 1

16. कवि और कविता का परिचय देते हुए इन पंक्तियों का **आशय** लिखें । 4

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRT45 ph 9567224545

भाग – 7 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' आई एम कलाम के बहाने ' फिल्मी लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 17 से 19 तक के उत्तर लिखें ।

यह मुझे बहुत बाद में समझ आया कि जिस स्कूल में बिताए समय को मैं अपने बचपन का सबसे खराब समय समझा करता था, शायद वही मोरपाल के लिए उसके जीवन का सबसे अच्छा समय होता था । घर की कमरतोड़ मेहनत और खेत–मजूरी से इतर दिन का ऐसा एकमात्र समय जब वह बच्चा बना रह सकता था । मेरे लिए स्कूल स्कूल यूनीफॉर्म बोझ थी । मेरे पास उससे बेहतर कपडे थे जिन्हें मैंने अपनी पसंद से बडे शहरों के बडे बाज़ारों से खरीदा था । लेकिन मोरपाल के पास एकमात्र कमीज़–पैंट का नया जोडा वह नीली –खाकी स्कूल यूनीफॉर्म ही थी । मोरपाल का स्कूल आठवीं के बाद छूट जाता है (छुटवा दिया जाता है) और वह अपने पिता की तरह आज भी वहीं खेत-मजूरी करता है ।

17. **नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ति करें ।** 1

मेरा भाई मुझसे मिलने आता है। मेरा भाई मुझसे मिलने आया करता है।

मेरी बहन मुझसे मिलने आती है। मेरी बहन मुझसे मिलने –––––––––– ।

18. मोरपाल के लिए जीवन का सबसे अच्छा समय स्कूल में बिताए समय था। क्यों ? 2

19. मोरपाल कल से स्कूल नहीं जाएगा । वह बहुत दुखी है । इस संदर्भ पर **मोरपाल** की **डायरी** लिखें । 4

अथवा

मोरपाल के अनुभवों का ज़िक्र करते हुए **गरीब बच्चों की हालत** विषय पर **लघु लेख** लिखें ।

* गरीब परिवार
* माँ-बाप के साथ खेत मजूरी
* घर में कमरतोड मेहनत
* स्कूल से विशेष प्यार

(ख) सूचना : ' बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 17 से 19 तक के उत्तर लिखें ।

साहिल बेला का रिपोर्ट कार्ड देख रहा था और बेला साहिल का । आज आखिरी बारी वे एक –दूसरे की कोई चीज़ को छूकर देख रहे थे । " तुम्हारी आँख में आँसू क्यों आ रहे हैं बेला ? " " मुझे क्या पता ।" बेला ने डबडबाई आँखों से हँसते हुए कहा । साहिल की आँखें बीरबहूटी की तरह लाल होने लगी थीं और उनमें बारिश की बूँदों-सा पानी भर गया था ।
बेला कहने लगी, " मैं चिढाऊँ अब तुम्हें ? रोनी सूरत साहिल रोनी सूरत साहिल ।"

17. बेला कहने लगी, " मैं चिढाऊँ अब तुम्हें ? रोनी सूरत साहिल रोनी सूरत साहिल ।"
- इस प्रसंग में निहित बेला का भाव कौन-सा है ?

(क) क्रोध (ख) प्यार (ग) डर (घ) दया 1

18. " आज आखिरी बारी वे एक–दूसरे के कोई चीज़ को छूकर देख रहे थे ।"– इससे आपने क्या समझा ? 2

19. कहानी के इस प्रसंग की **पटकथा** का एक दृश्य लिखें । 4

अथवा

साहिल अजमेर के हॉस्टल में रहकर पढने लगा । वहाँ की खबरें जानने के लिए बेला अपने मित्र साहिल के नाम पत्र लिखती है । **बेला** का वह **पत्र** कल्पना करके तैयार करें।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRHS ph 9567224545

उत्तर सूचिका– CODE D

भाग – 1

(क) 1. पैसे बटोटने केलिए

2. **वार्तालाप को आगे बढाएँ**

मैनेजर – हेन्ना जी ... आपको क्या हो गया ... ?
माँ – जी ... नहीं मालूम ... मेरी आवाज़ फट जाती है ।
मैनेजर – आपने गाना क्यों छोड दिया ... ?
माँ – माफ कीजिए ... मैं गा नहीं सकती ।
मैनेजर – अब क्या करें ? लोग बहुत शोर मचा रहे हैं ।
माँ – आप ही बताइए , मुझे क्या करना है ?
मैनेजर – चार्ली को स्टेज पर भेज दूँ ?
माँ – चार्ली को ? नहीं ... वह तो छोटा बच्चा है न ?
मैनेजर – तो क्या ? मैंने उसे आपके कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते हुए देखा है ।
माँ – लेकिन वह तो कमरे के अंदर था । इस उग्र भीड को वह कैसे संभालेगा ?
मैनेजर – आप चिंता न कीजिए , चार्ली एक होनहार बच्चा है न ? वह ज़रूर इस भीड को शांत करेगा ।
माँ – तो ठीक है, आपकी मर्ज़ी ।

(ख) 1. विशेषण

2. **कविता के आधार पर सही मिलान करके लिखें ।**

चक्रव्यूह	जीवन की विषमताएँ
अभिमन्यु	साहसी युवा पीढी
टूटा पहिया	सामान्य मनुष्य
ब्रह्मास्त्र	सर्वनाश

भाग – 2

(क) 3. सांत्वना देकर अस्पताल पहुँचाना

4. करोगे ।

5. **पोस्टर (points)संदेश – सडक पर घायल पडे लोगों की जान बचाना मनुष्यता है**

1. घायलों को जल्दी जल्दी पहुँचाएँ अस्पताल
रक्त बहाकर उन्हें वहाँ पडने न दें
2. सडक पर घायल पडे को बचाना मनुष्यता है
हरेक व्यक्ति की जान कीमत है
3. घायल पडे लोगों को देखे बिना गुज़रना नहीं चाहिए
मोबाइल पर फोटो खींचने पर नहीं,
उसकी रक्षा करने में हमारा ध्यान होना चाहिए ।
4. घायल पडे की जान बचाएँ
उनके घर का प्रकाश मिटने न दें
5. ध्यान रखें, उसे देखे बिना जाने वाले आपको ही
यही हालत होने की संभावना है
6. घायलों का फोटो खींचकर लैक मिलने में नहीं
उसपर मनुष्यता दिखाने में होना है हमारा ध्यान

(ख) 3. नौकरी छोड देने की वजह से हाथ में पैसा आने के कारण

4. चलें ।

5. **संबंध पहचानें, सही मिलान करें ।**

मोहन राकेश ने पहले सोचा था	सीधे कन्याकुमारी चला जाऊँ ।
घर में चलते समय मन में	यात्रा की कोई रूप रेखा नहीं थी ।
बहुत बार सोचा था	समुद्र तट के साथ-साथ एक लंबी यात्रा करूँ ।
रास्ते में जहाँ मन हुआ	वहीं कुछ दिन रह जाऊँ ।

भाग – 3

(क) 6. भरी गयी थी ।

7. स्कूल की **पहली** घंटी अब लग गई है ।
स्कूल की पहली घंटी अब **ज़ोर से** लग गई है ।

8. **वार्तालाप को आगे बढाएँ ।**

साहिल – तुमने कुछ सुना बेला ?
बेला - हाँ सुना । पहली घंटी लग गई है ।
साहिल - लेकिन मुझे दुकान से पैन में स्याही भी भरवानी है ।
बेला -तू क्या बोलता है यार ? देर होकर कहीं माटसाब के आगे हो जाया तो ?
साहिल - ऐसा नहीं होगा यार, स्कूल के नज़दीक के दुकान से ही भरवानी है ।
बेला -क्या, कलम में स्याही बिलकुल नहीं है ?

SREEJITH K KOVOOR VARKALA, SCR145 ph 9567224545

साहिल - कुछ स्याही थी, पर मैंने उसे ज़मीन पर छिडक दिया।

बेला -ऐसा क्यों किया तूने ?

साहिल - नई स्याही भरवाने केलिए पैन को खाली किया।

बेला -दुकान में स्याही नहीं है तो ?

साहिल - दुकान में स्याही ज़रूर होगा।

बेला -तो हम जल्दी चलें।

साहिल - ठीक है, बेला।

(ख) 6. घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते थे।

7. माँ ने गुठली का नाम कार्ड पर लिख दिया।

माँ ने **अपने हाथ से** गुठली का नाम कार्ड पर लिख दिया।

8. **पटकथा (शादी के कार्ड पर गुठली का नाम नहीं छपा)**

स्थान - घर की बैठक।

समय - शाम के साढे पाँच बजे।

पात्र - गुठली 14 साल की लडकी,चुडीदार पहनी है।
ताऊजी 50 साल के आदमी,धोती और कुर्ता पहने है।

घटना का विवरण - ताऊजी बैठक की कुर्सी पर बैठे पान खा रहे हैं। गुठली शादी के कार्ड लेकर आती है। उसके चेहरे पर निराशा है।

संवाद -

गुठली - ताऊजी, क्या मैं आपसे कुछ पूछ सकती हूँ ?

ताऊजी – क्या बात है बेटी ? जल्दी बताओ।

गुठली - देखिए ताऊजी, भइया मेरा नाम कार्ड पर छपवाना भूल गया।

ताऊजी – (हँसते हुए) भूला नहीं है बेटी।

गुठली - फिर ?

ताऊजी – अपने घर की छोरियों का नाम कार्ड पर नहीं छपते।

गुठली - पर ताऊजी, उसमें भइया के छोटे बेटे का नाम भी है, जो अभी बोल भी नहीं सकता, तो मेरा ...

ताऊजी – तो क्या हुआ ? तेरा नाम तो तेरे अपने कार्ड में छपेगा, यहाँ नहीं।

गुठली - लेकिन ताऊजी ... दीदी के कार्ड में सिर्फ मेरा नाम नहीं है। यह तो बिलकुल अन्याय है।

ताऊजी – अरे छोरी ... मुझे गुस्सा मत करना। अब चल भाग यहाँ से।

(गुठली रोती हुई वहाँ से चलने लगती है।)

भाग – 4

(क) 9. अपरिचित/ हताश व्यक्ति

10. **पत्र - कविता के आधार पर अपने मित्र के नाम कवि विनोद कुमार शुक्ल का**

स्थान : ....
तारीख : ....

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ। तुम्हारे पिछले पत्र के जवाब में अभी तक लिख न सका। माफ करो यार।

आज एक विशेष बात हुई। आज मैं दुकान की ओर चल रहा था। तब एक जगह पर एक वयक्ति बैठते हुए देखा। वह निराश दिख पडा। उसे मैं नहीं जानता था। मैं उसके पास गया। मैंने उसकी ओर हाथ बढाया। वह मेरा हाथ पकडकर मेरे साथ चला। हम इसके पहले कभी देखा भी नहीं था। किसी की हताशा जानने केलिए उसके नाम, पता, उम्र, ओहदा, जाति आदि जानने की आवश्यकता नहीं। मेरा यह काम से उसको आश्वासन हुआ होगा।

तुम्हारे पिताजी और माताजी को मेरा प्रणाम कहना। छोटी बहन को मेरा प्यार। जवाब की प्रतीक्षा में,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम
पता।

अथवा

टिप्पणी – जानना शब्द की लेखक की व्याख्या

जानना शब्द की लेखक की व्याख्या से मैं सहमत हूँ। यहाँ लेखक ने जानना शब्द की हमारी उस जानी-पहचानी रूढी को तोड दिया है, जो व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने को जोडती है। प्रस्तुत टिप्पणी में लेखक ने जानना शब्द को नए ढंग से परिभाषित किया है। इस व्याख्या के पीछे लेखक का उद्देश्य व्यक्ति की आंतरिकता को जानने से है। जैसे अगर कोई व्यक्ति सडक पर घायल अवस्था में पडा है, तो हमें मदद करनी चाहिए। क्योंकि दो मनुष्यों के बीच लेखक ने मनुष्यता अहसास यानी मानवीय संवेदना का होना ज़रूरी माना है – जानकारियाँ का नहीं। किसी व्यक्ति की मुसीबत में सहायता करना चाहिए न कि जब हम उसे जानते हैं तभी उसकी मदद करें।

(ख) 9. उसके मन में दोस्ती को ऊँचा स्थान है ।

10. **रणविजय की डायरी (भाषण जीतकर आने पर कलाम चोरी के आरोप पर गाँव छोडकर दिल्ली जाता है)**

तारीख : ………………

आज कलाम की मदद से मुझे भाषण में प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला । सभी लोगों ने मेरी तारीफ की । पर मेरे मन में उसका चेहरा था । मुझे मालूम है मेरी हिंदी इतनी अच्छी नहीं थी । इस भाषण के बारे में बताते वक्त उसने झट से एक अच्छा-सा भाषण लिखकर दिया था । वह भाषण कितना आकर्षक था । दूसरों की खुशी चाहनेवाला उसका मन कितना बडा है ! पर क्या करूँ ? ट्रॉफी लेकर उसे दिखाने आया तो पता चला कि वह चोरी के आरोप में गाँव छोडकर दिल्ली गया है । मैं दुख सह न पाया । सच में मुझे बचाने केलिए उसने वह चोरी का आरोप सह लिया था । दोस्ती को इतना ऊँचा स्थान देनेवाले मित्र को मैं कैसे खोऊँ ? मेरे पापा से सच बताने पर उन्होंने कलाम को ढूँढकर लाने की अनुमति दे दी । कल मैं उसकी तलाश में दिल्ली जाऊँगा । वापस आकर उसे भी मेरे स्कूल में भर्ती कराना है । ऐसे हम एक साथ स्कूल बस में स्कूल जाएँगे । वह कितना खुश होगा ! उसकी मंज़िल की पूर्ति करना अब मेरा ही दायित्व है ।

अथवा

लघु लेख – मित्रता / दोस्ती

दोस्ती जीवन की सबसे कीमती उपहारों में से एक है । जिसकी ज़िंदगी में सच्चे दोस्त हैं, वह भाग्यशाली है । यह रिश्ता मनुष्य खुद बनता है । सच्चा मित्र मुश्किल हालतों में भी हमारे साथ खडा होता है । यह तो अनमोल धन के समान होता है । इसकी तुलना हम दुनिया की किसी और चीज़ से नहीं कर सकते । सच्ची मित्रता से एक साधारण मानव भी श्रेष्ठ और पूजनीय अनुभव है । अमीर- गरीब, छोटा-बडा आदि बातों में मित्रता का कोई स्थान नहीं है ।

भाग – 5

(क) 11. साहिल के सामने पीट जाने से

12. बेला के पाँव काँप गए ।

13. छात्रों से अगर कोई गलती हुई तो प्यार भरी बातें कहकर उन्हें सुधारना चाहिए । गलती सुधारने में गुस्सा करना कभी ठीक नहीं है । ऐसा करने पर उस अध्यापक के प्रति हमेशा उनके मन में भय रहेगा । यह एक अच्छे अध्यापक केलिए लायक नहीं । शरारती बच्चों को भी प्यार भरी व्यवहार करके बदलना चाहिए ।

(ख) 11. अवसर की प्रतीक्षा करना

12. वह + को = उसे

13. हमें ऊँच–नीच के भेदभावों को छोडना चाहिए । जाति प्रथा के कारण गरीब लोगों को कई प्रकार की सामाजिक कुरीतियों का शिकार बनना पडता है । किसीको जन्म के आधार पर नीच मानना निंदनीय अपराध है ।

भाग – 6

(क) 14. लोहा लेना

15. एक टूटे पहिए की सहायता

16. **युद्ध विरुद्ध पोस्टर तैयार करें ।**

युद्ध छोडो ... सब मिलजुलकर रहो ...

1. युद्ध विनाशकारी है ।
   युद्ध छोडो शांति से रहो ।
2. युद्ध से किसीको कोई लाभ नहीं
   युद्ध सर्वनाश है उसको रोको ।
3. युद्ध देश को विकास की ओर नहीं,
   विनाश की ओर ले जाता है ।
4. युद्ध से दूर रहें ...
   मानवराशी को बचाएँ ।
5. बंदूक, तोप, अणुबम आदि का प्रयोग न होने दे ...
   मानव की धन-संपत्ति, घर, बंधुजन आदि का नाश न करने दे ।
6. युद्ध की भयानकता समझो
   आगे युद्ध न होने केलिए सब कोशिश करें ।

हिरोशिमा दिवस – अगस्त 6

(ख) 14. बच्चे पढने के अवसर से वंचित हैं ।

15. मदरसा

16. **कवितांश का आशय**

प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक हिंदी के प्रमुख कवि श्री.राजेश जोशी की सुंदर कविता बच्चे काम पर जा रहे हैं से ली गई हैं । इसमें कवि बाल मज़दूरी पर तीखा प्रहार करते हैं ।

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि अपनी आशंका प्रकट करते हुए पूछते हैं कि बच्चों के पढने-खेलने के उम्र में उन्हें काम पर क्यों जाना पड रहा है ? क्या इनके खेलने की सारी गेंदें अंतरिक्ष में गिर गई हैं ? क्या इनके पढने की सारी रंग-बिरंगी किताबों को दीमकों ने खा लिया है ? क्या इनके खेलने के सारे खिलौने काले पहाड के नीचे दब गए हैं ? क्या इनके पढने के सारे मदरसों की इमारतें किसी भूकंप में ढह गए हैं ? कवि हमारे सामने यह खतरनाक स्थिति पेश करते हैं कि भूख और गरीबी के कारण आज भी कुछ बच्चों को रंग-बिरंगी किताबें,गेंदें,खिलौने,स्कूली इमारतें,हँसी-खेल और पढाई का संसार छोडकर काम पर जाना पडता है । गरीब बच्चे अपनी और अपने घर की तकलीफों के कारण बचपन की खुशियाँ छोडकर काम पर जाते होंगे । इनकी समस्याओं को खतम करने का उत्तरदायित्व समाज पर है । गैर कानूनी होने पर भी बालश्रम आज भी संसार के कई देशों में चालू है । इसके विरुद्ध आवाज़ उठाने का आह्वान है यह कविता ।

समाज की एक बडी समस्या को कविता के द्वारा प्रस्तुत करने में कवि को पूर्ण सफलता मिली है । कविता की भाषा अत्यंत सरल एवं हमें चिंतित करने की प्रेरणा देनेवाली है ।

भाग – 7

(क) 17. आया करती है ।

18. स्कूल जाते समय ही मोरपाल घर के काम से बचकर एक बच्चा बना रह सकता था और अपने मित्रों के साथ खुशी से रह पाता । स्कूल उस को अच्छी शिक्षा पाकर बडे आदमी बनने की जोश पैदा करता था । इसलिए वह अपनेगाँव से पंद्रह साइकिल चलाकर बिना नागा रोज़ स्कूल जाना चाहता था ।

19. **मोरपाल की डायरी (वह कल से स्कूल नहीं जा पाने से दुखी होकर)**

तारीख : ....

आज मेरेलिए दुखी दिन था । आज सबेरे पिताजी ने कहा कि कल से स्कूल नहीं जाएँ । मेरा परिवार बहुत गरीब है । इसलिए कल से पिताजी के साथ खेत-मजूरी करने जाना है । अब मैं आठवीं कक्षा में हूँ । मुझे आगे पढने का शौक है । मैं स्कूल जाए बिना मिहिर को कैसे मिलूँगा ? मेरे दोस्तो में सबसे जिगरी दोस्त मिहिर ही है । उससे राजमा-चावल कैसे खाऊँगा ? मेरे जैसे मिहिर भी दुखी होगा । मुझे सिर्फ एक जोडा नीली-खाकी यूनीफॉर्म ही थी । तब भी सारे दिन स्कूल जाना पसंद था । आगे मैं क्या करूँ ?

अथवा

लेख – गरीब बच्चों की हालत

हर बच्चा खेलना-खाना बहुत पसंद करता है । पर बहुत से बच्चे गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अपने बचपन से वंचित हैं । उनको स्कूल जाने के बजाय काम पर जाना पडता है । स्कूल जाने का मौका मिलते बच्चे भी पढाई में ध्यान नहीं दे सकते । उन्हें माँ-बाप के साथ खेत-मजूरी करने जाना पडता है । कभी समय पर खाना भी नहीं मिलता। मोरपाल जैसे कई बच्चे हैं जो स्कूल को बहुत पसंद करते हैं,पढाई में आगे हैं । पर भी बीच में पढाई छोडकर पूरा समय काम में लग जाना पडता है । गरीब बच्चे ऐसे कई तरह की परेशानियों में जीने को मजबूर होते हैं ।

(ख) 17. प्यार

18. पाँचवीं तक एक मन से हर काम लेनेवाले साहिल और बेला आगे की पढाई केलिए अलग अलग स्कूलों में भर्ती होनेवाले हैं, यानी वे बिछुड रहे हैं । इस कारण दोनों पहले की तरह कुछ कर न पाएँगे, मिल न पाएँगे । इसलिए ऐसा कहा होगा ।

19. **पटकथा (रिपोर्ट कार्ड देखने के बाद)**

स्थान - स्कूल से घर जाने का रास्ता ।
समय - सुबह के 10 बजे ।
पात्र - 1. साहिल, करीब 11 साल का, पतलून और कमीज़ पहना है ।
2. बेला, करीब 11 साल की, फ्रॉक पहनी है ।
घटना का विवरण - साहिल और बेला दोनों किसी चिंता में मग्न है । वे आपस में बातें करने लगे ।

संवाद –

साहिल – तुम्हारा रिपोर्ट कार्ड दिखाना ।
बेला - ठीक है, तुम भी अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाना । (दोनों एक दूसरे का रिपोर्ट कार्ड देखने लगते हैं ।)
साहिल - तुम्हारी आँखों से आँसू क्यों आ रहे हैं ?
बेला - (हँसते हुए) मुझे क्या पता ? अब तुम्हारी आँखें भी लाल हो गई हैं क्यों ?
साहिल - मुझे भी नहीं पता ।
बेला - आज से मैं तुम्हें कैसे चिढाऊँ ?
साहिल - कोई बात नहीं । हम छुट्टी के दिन फिर मिलेंगे ।
बेला - ठीक है, फिर मिलेंगे ।
साहिल - ठीक है बेला ।
(दोनों अलग-अलग रोस्ते से घर चले जाते हैं ।)

अथवा

बेला का पत्र साहिल को (अजमेर के स्कूल के बारे में)

स्थान : ……………….
तारीख : ……………….

प्रिय साहिल,

तुम कैसे हो? कुशल हो न? मैं यहाँ ठीक हूँ । तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से, मेरे नए स्कूल के बारे में बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रहा हूँ ।

अब तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है ? अजमेर का तुम्हारा नया स्कूल कैसा है ? वहाँ कोई नयी दोस्त मिली है क्या ? हॉस्टल स्कूल पास ही है न ? तुम्हारा नया स्कूल फुलेरा का स्कूल जैसा है क्या ? तुम्हें पुराने स्कूल की याद कभी आती है ? अपने बारे में कहे तो मेरा नया स्कूल बहुत अच्छी है । वहाँ मुझे कई दोस्त मिले हैं । मुझे हमेशा तुम्हारी याद आती हैं । पहले की तरह हम कब खेत में बीरबहूटियों को खोजेंगे ? तुम्हारे स्कूल के गणित के माटसाब सुरेंदरजी जैसा नहीं है न ?

वहाँ की सारी बातें विशद रूप से ज़रूर लिखना । अगली छुट्टी में हम मिलें । तुम्हारे माँ बाप से मेरा प्रणाम कहना । जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

तुम्हारी सहेली
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम
पता ।